ज्ञानविविधा
रचना, आलोचना और शोध की त्रैमासिक पत्रिका

Online ISSN : 3048-4537
July-September 2024 : 1(4)70
©2024 Gyanvividha
www.gyanvividha.com

रंजना सिंह "अंगवाणी बीहट "
बेगुसराय,बिहार

Corresponding Author :

रंजना सिंह "अंगवाणी बीहट "
बेगुसराय,बिहार

देश - भक्ति

भारत की रक्षा करते जो, देकर अपनी जान।
इतिहासों में अंकित होता, उनका ही बलिदान।।
डटकर सामना करे अरि से, सैनिक वीर जवान।
खड़ा रहे सीमा पर हर पल, पकड़े तीर कमान।।
इनकी वीरता के दम पर ही, टिका हुआ है देश।
मातृभूमि की रक्षा करता, तनिक नहीं मन क्लेश ॥
इनसे ही गर्वित है भारत, इनका कर सम्मान।
इतिहासों में अंकित होता, उनका ही बलिदान।।
पथरीली राहों पर चलकर, करते अपना काम।
ऊँच शिखर पर चढ़कर वो तो, मारते शत्रु तमाम।।
देश विरोधी विधर्मियों का, सिर काटे तलवार।
जो भी आँख उठाकर देखे, उसका कर संहार ॥
सीने पर गोली खाने को, रखते सीना तान।
इतिहासों में अंकित होता, उनका ही बलिदान।।

....